सृजन पथ पर नव्य युग की शक्ति का अवतार हो! श्रेष्ठ चिन्तन-मनन शुभ अवधारणा सुविचार हो।।
नवल गति, नव योजना नव सूत्र जीवन के मिलें, ज्ञान का विस्तार हो, अज्ञान का परिहार हो।।

सृजन पथ

परमेश्वरी देवी धानुका सरस्वती विद्या मन्दिर
सी. सै. स्कूल (आवासीय),
वृन्दावन

वर्ष 3 अंक 4
15 जनवरी 2024

विद्यालय गतिविधियों की त्रैमासिकी

वार्षिकोत्सव
तरंग 2023

एक रिपोर्ट

परमेश्वरी देवी धानुका सरस्वती विद्या मंदिर के बहु प्रतीक्षित वार्षिकोत्सव तरंग – 2023 का आयोजन दिसम्बर मास के प्रथम सप्ताह में अत्यन्त उल्लास पूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। लगभग पाँच वर्ष के अन्तराल के पश्चात आयोजित होने के कारण विद्यालय प्रबन्धन, आचार्य परिवार तथा विद्यार्थी समूह विशेष उत्साह से लबरेज था! वार्षिकोत्सव कार्यक्रम की अध्यक्षता अक्षय पात्र फाउंडेशन के प्रमुख श्री अनन्तवीर्यदास ने की!

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में समारोह का मुख्य आकर्षण थे फिल्म अभिनेता तथा दादा लखमी चंद राज्य विश्व विद्यालय रोहतक के वाइस चांसलर श्री गजेन्द्र जी चौहान जो कि बी. आर. चोपड़ा द्वारा निर्देशित विश्व प्रसिद्ध सीरियल महाभारत में धर्मराज युधिष्ठिर की भूमिका के लिए भी घर-घर में पहचाने जाते हैं।

आमन्त्रित अतिथियों को विद्यालय के घोष दल द्वारा तथा विद्यालय परिवार एवं प्रबन्धन के वरिष्ठ सदस्यों की अगवानी में मन्च तक लाया गया। आचार्य प्रभाकर ठाकुर के निर्देशन में बालकों द्वारा वेदमन्त्रोच्चार एवं स्वस्तिवाचन की मंगल ध्वनि के मध्य अतिथियों के पण्डाल में प्रवेश के साथ सम्पूर्ण समारोह करतल ध्वनि से गूंज उठा। मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन द्वारा वार्षिक समारोह का शुभारम्भ हुआ। बालकों द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वन्दना ने सभी को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया।

प्रधानाचार्य श्री श्याम प्रकाश पाण्डेय द्वारा मुख्य अतिथि फिल्म अभिनेता श्रीगजेन्द्र चौहान एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री शैलेष कुमार पाण्डेय का परिचय कराया गया। विद्यालय प्रबन्धक श्री पद्मनाभ गोस्वामी सह प्रबन्धक शिवेन्द्र गौतम तथा कोषाध्यक्ष अशोक अग्रवाल द्वारा अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंट कर उनका अभिनन्दन किया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला की शुरुआत हुई बालकों द्वारा आकर्षक प्रस्तुति एक नृत्य के माध्यम से, जिसमें आरम्भ है प्रचण्ड इन तेजस्वी शब्दों को अपने अभिनय एवं नृत्य कुशलता से मूर्तिमान किया छोटे-छोटे बालकों ने जिसका कुशल निर्देशन विद्यालय आचार्या श्रीमतीवर्षा शुक्ला ने किया। तत्पश्चात इसी नृत्याभिनय श्रृंखला को आगे बढ़ाया संगीताचार्या श्रीमती राधिका देवी दासी केनिर्देशन में तैयार संकल्पगीत ने, जिसके बोल थे 'ये संकल्प किया है हमने।' इस

Scanned with CamScanner

भव्य संकल्प गीत में शताधिक छात्रों ने भाग लिया। उनकी सुसम्बद्ध स्वर लहरी और सुंदर अभिनय ने इस कार्यक्रम विशेष आकर्षक रूप प्रदान किया।

भारत के महान सैन्य बलों की जिजीविषा, समर्पण राष्ट्रभक्ति एवं बलिदानी भाव को मूर्तिमान करता हुआ गीत अभिनय प्रस्तुत किया गया कक्षा नवम दशम के छात्रों द्वारा! भारतमाता की पावन धूलि में स्वयं को आत्मसात करने वाले इस नृत्य अभिनय का निर्देशन आचार्या योगिता चौधरी द्वारा किया गया। एक मार्मिक दृश्य में जब छात्रों ने देश के अमर बलिदानियों और परमवीरचक्र विजेताओं के चित्रों को प्रदर्शित किया तो उपस्थित दर्शकों की आँखें नम हो गई। कार्यक्रम श्रृंखला को अल्प विराम देते हुए सह प्रबन्धक शिवेन्द्र गौतम द्वारा विद्यालय प्रतिवेदन के माध्यम से विद्यालय की शैक्षणिक, सांस्कृतिक व सामाजिक उपलब्धियों को प्रस्तुत किया गया।

इसके पश्चात श्रीधाम वृन्दावन की, मुक्ति को भी मुक्तिदायिनी पावन रज की महिमा को संगीत व अभिनय से सजी नृत्य नाटिका के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम का शीर्षक था 'ब्रज रज तजि अब अनत न जैहों' और इस उत्कृष्ट नृत्य नाटिका का संगीत संयोजन संगीत आचार्या श्रीमती राधिका देवी दासी एवं आचार्य कौशल किशोर भट्ट ने किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि एस. एस. पी. श्रीशैलेष कुमार पाण्डेय IPS ने उपस्थित जनों को सम्बोधित हुए कहा कि विद्यालय जीवन में छात्रों को समय-समय पर प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों में भाग लेने के जो भी अवसर मिलते हैं वे उनके आत्मविश्वास को ही नहीं बढ़ाते बल्कि उन्हें सामाजिक एवं व्यावहारिक अनुभवों से भी जोड़ते हैं। अभिभावकों को भी यह ध्यान रखना चाहिये कि शिक्षण के एकांगी विकास के बजाय अपने पाल्य को शिक्षण गतिविधियों एवं प्रतिभागिताओं के सर्वांगीण विकास की दिशा में आगे बढ़ाएं। श्री पाण्डेय के उद्बोधन एवं अनुभवों ने छात्रों तथा अभिभावकों को एक नई दिशा दिखाई।

इसके पश्चात जूनियर कक्षाओं के छात्रों द्वारा एजूकेशन थीम डांस प्रस्तुत किया जिसका निर्देशन सोनू सारस्वत ने किया। कई बार आशाओं व अपेक्षाओं का बोझ इतना ज्यादा हो जाता है कि बच्चे इसमें घुटन महसूस करने लगते हैं। कई बार यह घुटन आत्मघाती हो जाती है या छात्रों के आत्म विश्वास को धूल में मिला देती हैं। ऐसी स्थिति में शिक्षकों एवं अभिभावकों का क्या दृष्टिकोण होना चाहिये जिससे छात्र सफलता और असफलता समान रूप से स्वीकार सके, इसी का चित्रण करने वाला रहा यह थीम डांस, जिसमें छोटे छोटे छात्रों की सक्रियता अत्यंत दर्शनीय थी।

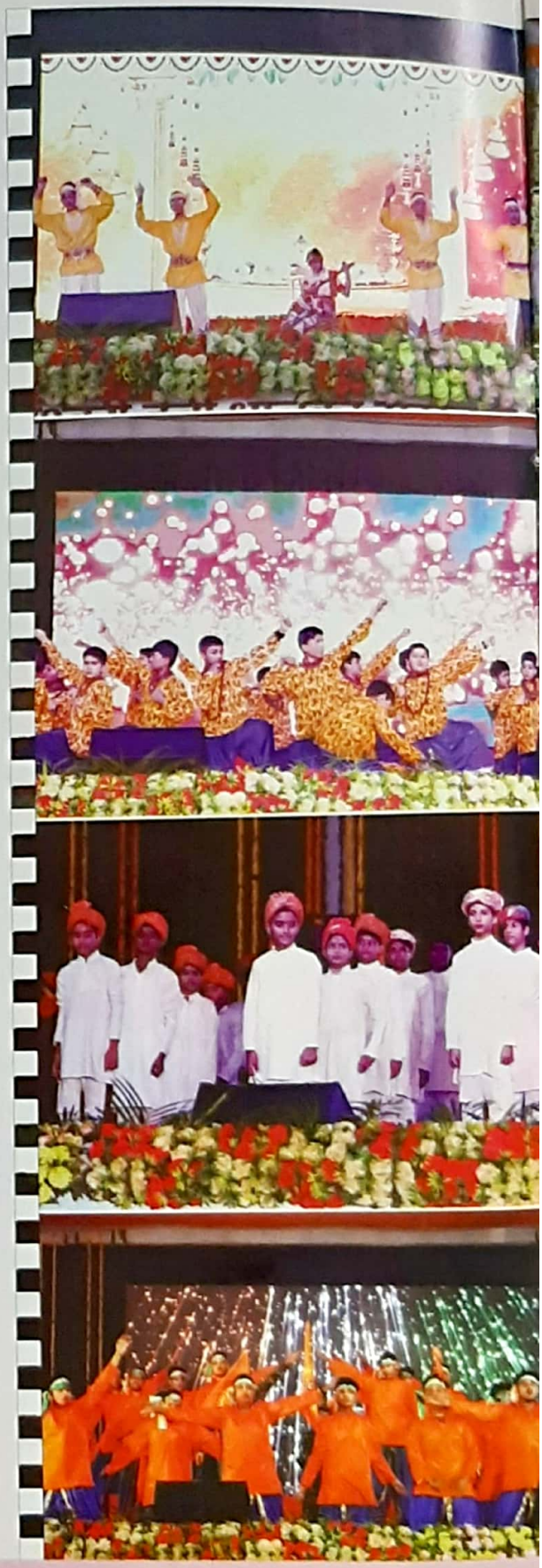

Scanned with CamScanner

एजूकेशन के आधुनिक स्वरूप को दर्शाने के बाद कार्यक्रम की यह श्रृंखला बढ़ चली उस क्रान्तियात्रा पर, जिस पर आजीवन चलते रहने का भाव लेकर प्रथम बलिदानी मंगल पाण्डे, झांसी की रानी लक्ष्मी बाई और चंद्रशेखर आजाद जैसे वीरों ने अपने प्राणों की आहुति दे दी और स्वतन्त्र एवं नवीन भारत के निर्माण की पौध को अपने रक्त से सींचकर पुष्पित पल्लवित किया। हिन्दी विभागाध्यक्ष श्री सत्येन्द्र द्विवेदी तथा आचार्य अवधेश कुमार के संयोजन में प्रस्तुत इस सुन्दर नाटिका ने क्रांति काल को जीवंत कर दिया।

कार्यक्रम का विशेष आकर्षण था ब्रज संस्कृति को सजीव कर देने वाली संगीतमय झलक के साथ प्रस्तुत ब्रज रसिया 'तेरौ जनम सफल है जाय।' इस भावपूर्ण प्रस्तुति ने कार्यक्रम पण्डाल में बैठे दर्शकों को भी नृत्य करने पर बाध्य कर दिया। छोटे-छोटे बालकों द्वारा उन्मुक्त भाव से नृत्य करते हुए ब्रज की इस लोक संगीत शैली का प्रदर्शन दर्शकों के लिए कभी न भूला जाने वाला अनुभव बन गया। रसिया का निर्देशन आचार्य कौशल किशोर द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के अगले चरण में मुख्य अतिथि श्री गजेन्द्र चौहान ने उपस्थित जनसमूह का अभिवादन करते हुए सीधी बातचीत में महाभारत धारावाहिक के निर्माण से सम्बन्धित बहुत से अनछुए अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि किस प्रकार बीसों दिक्कतों और राजनैतिक रुकावटों का सामना करते हुए महाभारत सीरियल न केवल प्रस्तुत हुआ बल्कि लोकप्रियता के नए आयाम स्थापित करने में भी कामयाब रहा। दर्शकों की मांग पर श्री गजेन्द्र चौहान ने धारावाहिक में युधिष्ठिर के रूप में बोले गये अपने कुछ लोकप्रिय संवादों को दोहराकर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन भी किया। मुख्य अतिथि के उद्बोधन के पश्चात कार्यक्रम का द्वितीय चरण प्रारम्भ हुआ। वार्षिकोत्सव को यादगार बनाने के लिए अंग्रेजी विभाग द्वारा हस्तलिखित पत्रिका का निर्माण किया गया था। जिसमें विद्यालय के छात्रों ने कविताओं कहानियों और आलेखों को अपनी हस्तलिपि में लिख कर अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति को दर्शकों के सम्मुख प्रस्तुत किया। मानद अतिथि वृन्द द्वारा पत्रिका का विमोचन तथा लोकार्पण किया गया। इस पत्रिका का निर्माण अंग्रेजी विभाग प्रमुख श्री आभास अग्रवाल के निर्देशन तथा श्रीमती वर्षा शुक्ला और कु.योगिता चौधरी के संयोजन में विद्यालय के किशोर वर्ग के छात्रों द्वारा किया गया।

पत्रिका अनावरण के पश्चात शहीद-ए-आजम सरदार भगतसिंह, राजगुरु तथा सुखदेव के अमर बलिदान की कथा का मार्मिक चित्रण करते हुए एक इंग्लिश नाटिका प्रस्तुत की गई जिसमें सरदार भगतसिंह आदि महान क्रांतिवीरों का अभिनय करने वाले छात्र कलाकारों की तेजस्विता एवं सुंदर संवाद संयोजन देखते ही बनता था। इस शानदार प्रस्तुति का

Scanned with CamScanner

निर्देशन विद्यालय के अंग्रेजी विभाग के प्रमुख आभास अग्रवाल के नेतृत्व में नवीन कुमार, रवीन्द्र परिहार आदि शिक्षकों द्वारा किया गया।

भगत सिंह के जीवन पर आधारित इस लघु नाटिका के प्रभाव एवं संवेदनाओं में डूबे सुधी दर्शकगण सहसा चौंक उठे जब उन्होंने मंच पर एक से बढ़कर एक वाद्ययन्त्रों को जाते देखा। अवसर था घोष वाद्यवृंद प्रस्तुति का, जिसका संयोजन व निर्देशन घोष प्रमुख श्री अरुण दीक्षित, सुजान सिंह एवं अतिन अग्रवाल ने किया। मंच पर पंक्तिबद्ध सजे हुए पारम्परिक संगीत वाद्य एवं पाश्चात्य घोष वाद्य ट्रम्पेट ड्रम इत्यादि का सुमधुर संयोजन कितना प्रभावी सिद्ध होने वाला था, यह कल्पना से परे था। जब घोष वादन के सिद्धहस्त छात्रों ने जन्मभूमि, हम होंगे कामयाब, अच्युतं केशवं तथा नमोस्तु ते जैसी रचनाओं की शानदार प्रस्तुति दी तब वाद्यों की घनगरज ध्वनि ने वातावरण को अनोखी ऊर्जा से भर दिया। अभी घोष वाद्यों की सुमधुर एवं शक्तिशाली ध्वनि की गूँज कानों में ही थी कि मंच पर काले कपड़ों और सफेद चेहरों से युक्तआकृतियों को देखकर दर्शक आश्चर्यचकित हो उठे। अवसर था श्री अतिन अग्रवाल के निर्देशन में एक मूक अभिनय प्रस्तुति का, जिसका शीर्षक था 'Now and then' अर्थात हमारी दुनियाँ में निरन्तर आने बाले बदलावों ने विगत 40-50 वर्षो में कितना रूप परिवर्तन कर लिया है और आज हम कहाँ आ गये हैं।

कार्यक्रम अपने अन्तिम चरण में था और दर्शक गण अनेक संगीतमय तथा गम्भीर भाव अभिव्यक्तिओं के रस में सराबोर थे किन्तु एक चीज का अभाव खटक रहा था और वह था, दर्शकों को रसराज हास्य की फुहारों में भीगने का अवसर नहीं मिल पाना और इस अभाव को दूर करने सहसा मंच पर उछलते कूदते कुछ विचित्र वेशभूषा धारी प्राणी नजर आए। जब धमाके दार संगीत की ताल पर उछल-उछल कर इन बौने जीवों ने अजीबोगरीब हरकतें करना शुरू किया तो पण्डाल में खिलखिलाहटों की बाढ़ सी आ गई। शायद ही कोई दर्शक ऐसा रहा हो जिसकी मुस्कान ने अपने आस पास भी हँसी की खुशबू न बिखेरी हो। इस बेहद मजेदार फनी डांस का संयोजन विद्यालय के आचार्य मोहित गुप्ता जी ने किया था। यह कार्यक्रम अकेले ही इस वार्षिकोत्सव को यादगार बनाने में सक्षम था, फिर यहाँ तो, नवरसों की वर्षा हो रही थी।

अस्तु, इस अन्तिम चरण में इस्कॉन सोसाइटी की अक्षय पात्र योजना के प्रमुख तथा वार्षिकोत्सव कार्यक्रम अध्यक्ष श्री अनन्तवीर्य दास महाराज के विचारोत्तेजक उद्बोधन का जिक्र न करें तो यह रिपोर्ट अधूरी रह जाऐगी। परमादरणीय स्वामीजी ने अपने उद्बोधन में एक ओर जहाँ छात्रों को मोबाइल एवं सोशल मीडिया के विकृत पक्ष से दूरी बना कर जीवन के अमूल्य क्षणों को ज्ञान, अध्यात्म एवं मनोबल से जोड़ कर अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा दी, वहीं अभिभावकों से भी यह

Scanned with CamScanner

अपेक्षा रखी कि वे अपनी अपूर्ण इच्छाओं एवं अभावों का बोझ बच्चों के कोमल मनमस्तिष्क पर न डालते हुए उन्हें स्वेच्छा से निर्णय लेने दें और उनके भविष्य निर्माण में अवरोधक के बजाय प्रेरक सचेतक एवं दिग्दर्शक के दायित्व का निर्वहन करें।

वार्षिकोत्सव में विद्यालय के आचार्य परिवार एवं प्रबन्धन ने अपनी अपनी अलग अलग भूमिकाओं का कुशल निर्वहन किया। मंच के पार्श्व में स्क्रीन पर विभिन्न कार्यक्रमों से सम्बन्धित दृश्यों का कम्प्यूटर के माध्यम से संयोजन मोहित गुप्ता, ललित गर्ग व योगेश अग्रवाल द्वारा किया गया। अभिभावकों के आवागमन हेतु वाहन व्यवस्था का संयोजन देवेन्द्र गौतम एवम अनिल यादव ने किया।

पेयजल एवं विद्युत व्यवस्था में उपप्रधानाचार्य ओम प्रकाश शर्मा, राजेशचौधरी एवं कुलदीप मित्रा का, स्वच्छता एवं परिसर की साज सज्जा में ज्ञानेन्द्र कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में अरविन्द कुमार व उमंग सक्सेना का तथा साजसज्जा व रंगोली निर्माण में बृजमोहन अवस्थी व श्रीमती अर्पणा गुप्ता, श्री दिनेश चतुर्वेदी, अमित चौधरी एवं हरीश कुमार का सराहनीय सहयोग रहा। आमन्त्रित अतिथियों के स्वागत हेतु ललित गौतम, सुरभिचरण सोनी, यतेन्द्र सिंह सिसोदिया व सर्वेश कुमार ने तथा आसन व्यवस्था में मनोज वार्ष्णेय, अभिषेक कुमार पाण्डेय, सतीश अग्रवाल व सतेन्द्र कुमार ने कुशलता पूर्वक संबंधित व्यवस्थाओं का संचालन किया।

कार्यक्रम का एक अत्यन्त महत्वपूर्ण अंग था छात्रों, कलाकारों आदि के लिए कार्यक्रम दिवस में दो बार स्वल्पाहार तथा कार्यक्रम के समापन के अवसर पर सभी आमन्त्रित गणमान्य जनों तथा सम्मानित अभिभावकों हेतु जलपान का वितरण किया जाना। सम्पूर्ण कार्यक्रम का सुखद एवं मधुर समापन इस महत्व पूर्ण व्यवस्था पर निर्भर था। इस सम्पूर्ण वितरण व्यवस्था को श्री महावीर सिंह, एवं श्री कपीश्वर कृष्ण के निर्देशन और संजीव पाराशर के संयोजन में सत्य प्रकाश शर्मा, कैलाश जी तथा रवेंद्र शर्मा ने बखूबी सम्हाला और तीन हजार के लगभग दर्शकों और व्यवस्था बन्धुओं के साथ साथ 400 कलाकार विद्यार्थियों को किसी चीज की कमी महसूस नहीं होने दी !

आमन्त्रित अतिथियों के वाहनों की उचित एवं सुविधाजनक पार्किंग व्यवस्था का संचालन रवीन्द्र सिंह के निर्देशन में तरुणकुमार, हेमन्त गुप्ता एवं उमेश गिरी द्वारा किया गया। विद्यालय के विशाल परिसर की सुरक्षा एवं आवागमन की अनुशासित व्यवस्था को सम्हाला जी मुकेश चन्द्र के निर्देशन में देवेन्द्र गौतम एवं लखन कुन्तल ने जबकि अतिथिगणों के लिए स्मृति चिह्न वितरण तथा सम्मान समारोह का संयोजन प्रधानाचार्य श्रीश्याम प्रकाश पाण्डेय के निर्देशन में यतेन्द्र कुमार मिश्र व शैलेन्द्र गोयल द्वारा किया गया।

Scanned with CamScanner

दूरदराज से कार्यक्रम के अवलोकनार्थ विद्यालय के छात्रावास में पधारे अभिभावकों के भोजन विश्राम की व्यवस्था का सुचारू संचालन श्री सतेंद्र सिंह सिसोदिया एवं जगपाल सिंह ने किया। एक सूत्र में बँधे पुष्पहार की तरहविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने प्रबन्धक श्री पद्मनाभ जी गोस्वामी के उत्साहवर्धक आशीर्वाद तथा सम्पूर्ण प्रबन्ध समिति के प्रेरणादायी संचालन सहयोग ने इस महद आयोजन को सफल बनाया जिसके लिए समस्त कर्मचारी वर्ग तथा प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष सहयोगियों को कोटिशः धन्यवाद !!

मंच संचालक हमारे छात्र

कौशल किशोर भट्ट
कार्यकारी संपादक

अपनी बात

एक 5 वर्षीय छोटा सा बालक अपने पिताजी के साथ मेले में गया जहां उसे बहुत सारे बच्चे मेले में गुब्बारे से खेलते और झूमते नजर आए। वह बालक भी गुब्बारों को देखकर बहुत आकर्षित हो हुआ और अपने पिताजी से कहने लगा कि पिताजी मुझे यह गैस वाला गुब्बारा चाहिए। पिताजी ने गुब्बारे वाले से बालक को एक गुब्बारा देने को कहा। बालक ने इच्छा व्यक्त की कि मुझे ऐसे रंग का गुब्बारा दो जो सबसे ऊपर जा सके। यह कहने के बाद वह बालक हर रंग बिरंगे गुब्बारे को देखकर कहने लगा कि यह लाल कलर वाला गुब्बारा बहुत अच्छा है यह सबसे ऊपर जाएगा। गुब्बारे वाले ने उसे समझाया कि बेटा, वही गुब्बारा सबसे ऊपर जाएगा जिसमें ज्यादा हवा भरी हुई है। गुब्बारे में जितनी ज्यादा हवा होगी वह उतना ऊपर जाएगा।

बालक को यह बात समझ आ गई और वह किसी भी ऐसे गुब्बारे को लेने को राजी हो गया जिसमें ज्यादा हवा भरी हो। अर्थात, वही इंसान ऊंचाइयों पर पहुंचता है जिसके जीवन में आत्मविश्वास, सहनशीलता, कृतज्ञता, दृढ़ निश्चय जैसे आंतरिक गुणों की विशेषताए हों। आप भले ही बाहर से कितने भी बलशाली हो उससे फर्क नहीं पड़ता क्योंकि जब कोई संकट आए तो उसको हल करने के लिए आपमें आत्म बल कितना है उससे फर्क पड़ता है। इस बार का अंक यद्यपि कुछ विलंब से आपके हाथ में आ रहा है परंतु यह बीते वर्ष की कुछ बेहद खूबसूरत यादों को संजोए है अतः संग्रहणीय बन गया है। सभी प्रमुख स्थाई स्तंभों के साथ दिसंबर में आयोजित वार्षिकोत्सव तरंग 2023 तथा अक्टूबर में आयोजित अखिल भारतीय विद्याभारती खेलकूद प्रतियोगिता के अंतर्गत जूडो और कुराश प्रतियोगिताओं की उपलब्धियों को समेटे यह अंक निश्चय ही आपकी स्मृतियों को पुनः उन पलों का साक्षात्कार कराएगा।

अंत में शताब्दियों के वनवास के बाद राम नगरी अयोध्या में सकल जगत के परम आराध्य प्रभु श्री रामलला के मंदिर प्रवेश के महा पर्व की बधाई के साथ आइए, इस महान राष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत की रक्षा का संकल्प लें और भारत की विश्व गुरु के रूप में पुनर्प्रतिष्ठा के लक्ष्य की पूर्ति हेतु संकल्पित इस आंग्ल नववर्ष 2024 की हार्दिक मंगल कामनाएं स्वीकार करें ....!!

Scanned with CamScanner

34वीं अखिल भारतीय जूडो और कुराश प्रतियोगिता

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा स्थानीय परमेश्वरी देवी धानुका सरस्वती विद्या मंदिर में 34वीं अखिल भारतीय जूडो और कुराश प्रतियोगिता का उद्घाटन मथुरा वृंदावन क्षेत्र के माननीय विधायक तथा प्रदेश के पूर्व ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा जी द्वारा समारोह पूर्वक किया गया।

इस अवसर पर बोलते हुए विधायक जी ने कहा कि विद्यालय में अखिल भारतीय स्तर के इस कार्यक्रम में लघु भारत का अवलोकन हो रहा है। उन्होंने कहा कि स्कूल स्तर से अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं तक का सफर आसान नहीं होता किंतु एक खिलाड़ी अपने विद्यार्थी जीवन से ही अनुशासन अभ्यास तथा समर्पण की नींव पर धीरे-धीरे अपने भविष्य की इमारत खड़ी करता है। खेलों के विकास के लिए और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत को खेल महाशक्ति बनाने की दिशा में वर्तमान सरकार पूर्णतरू प्रतिबद्ध है और हमारा देश धीरे-धीरे अपनी छिपी प्रतिभाओं को सामने ला रहा है, जिसका प्रमाण है वर्तमान एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल के खेलों में हमारे खिलाड़ियों के नए-नए कीर्तिमान और अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए पूरी तरह तैयार होता नया भारत।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में विद्या भारती पश्चिम उत्तर प्रदेश क्षेत्र के क्षेत्रीय संगठन मंत्री माननीय श्रीडोमेश्वर साहू ने कहा कि विद्याभारती द्वारा अपने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए उन्हें प्रारंभिक कक्षाओं से ही उच्च स्तरीय खेलों के लिए योजनाबद्ध रूप से प्रशिक्षित किया जाता है। विद्याभारती द्वारा संचालित विद्यालयों में देश भर के 759 जिलों में 12093 विद्यालयों में 3120631 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं और इन सभी के समग्र विकास के लिए विद्याभारती प्रति वर्ष खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन करती आ रही है। उन्होंने कहा कि जीवन में प्रसिद्धि प्राप्त करने के लिए शिक्षा जितनी आवश्यक

Scanned with CamScanner

है उतना ही महत्वपूर्ण स्थान खेलों एवं अन्य गतिविधियों का भी है अतः केवल पाठ्यक्रम पूर्ति का लक्ष्य लेकर पढ़ाई करना विद्यार्थी को जीवन के सभी क्षेत्रों में ऊंचाई हासिल करने के लिए तैयार नहीं कर पाता। विद्याभारती की खेलकूद प्रतियोगिताएं विकास के इसी उच्चतम लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रही है।

34वीं अखिल भारतीय जूडो और कुराश प्रतियोगिता के दूसरे दिन देश भर के विभिन्न क्षेत्रों से आए हुए खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए अखिल भारतीय स्तर पर अपने-अपने वजन वर्ग में स्वर्ण रजत एवं कांस्य पदकों पर कब्जा जमाया।

परमेश्वरी देवी धानुका विद्या मंदिर के प्रतिभाशाली खिलाड़ी अनंत सिंह ने बहुत थोड़े अंतराल पर तीन लगातार मुकाबलों में अपने पूर्वोत्तर के प्रतिद्वंदियों को पटखनी देते हुए 50 kg वर्ग में तथा 40 kg वर्ग में गौरांग एवं 55 kg वर्ग में नरेंद्र ने स्वर्ण पदक जीत कर SGFI की राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभागिता सुनिश्चित की।

दूसरे दिन प्रतियोगिता में 30 स्वर्ण 29 रजत तथा 53 कांस्य पदक वितरित हुए। जिनके लिए छह क्षेत्रों के 200 से अधिक खिलाड़ियों ने जोर आजमाइश की। पश्चिमी उत्तर प्रदेश से बालिका वर्ग की बहिन मधु, अनन्या, जया ने स्वर्णपदक, बहिन भूमि ने रजत तथा बहिन ऋषिका, वैष्णवी, खुशी और अवनी ने कांस्य पदक प्राप्त किए। बालक वर्ग कुराश में राजस्थान के मोहित, रविराज तथा स्वरूप सिंह ने और जूडो में राजस्थान के ही अर्जुन, कृष्णकुमार और लक्ष्य ने स्वर्ण पदक और पश्चिम उत्तर प्रदेश के शिवराज, निशांत तथा सुमित कुमार ने कुराश में रजत पदक तथा उत्तर क्षेत्र के हिमांशु, डिंपल कुमार और मध्य क्षेत्र के योगी साहू और मनुराज ने अपने अपने भार वर्ग में कांस्य पदक प्राप्त किए।

सायंकाल देवेंद्र कुमार शर्मा के संयोजन में स्थानीय कलाकारों द्वारा प्रतियोगिता स्थल पर सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया जिसमें बृज वंदना, मयूर नृत्य तथा चरकुला जैसी आकर्षक प्रस्तुतियों का खिलाड़ियों तथा प्रशिक्षकों ने खूब आनंद उठाया।

Scanned with CamScanner

विज्ञान चर्चा

1. सबसे बड़ा सिंगल सेल वाला बैक्टीरिया

बैक्टीरिया को हम आंखों (Naked Eye) से नहीं देख पाते हैं, आमतौर पर इन्हें माइक्रोस्कोप की मदद से ही देखा जा सकता है। लेकिन पिछले साल वैज्ञानिकों ने एक ऐसे बैक्टीरिया की खोज की है, जो आंखो से भी देखा जा सकता है। टी-मैग्निस्पा नाम का यह बैक्टीरिया लगभग एक सेंटीमीटर लंबा है, जो कैरिबियन क्षेत्र के लेसर एंटीलिज के मैंग्रोव जंगलों में पाया जाता है। यह बड़े बैक्टीरिया की अन्य प्रजातियों की तुलना में लगभग 50 गुना जबकि सामान्य बैक्टीरिया से लगभग 5,000 गुना बड़ा है।

2. सबसे तेज सुपर कंप्यूटर

फ्रंटियर नाम के एक सुपरकंप्यूटर ने इस साल 1.1 क्विंटिलियन ऑपरेशन प्रति सेकंड की स्पीड से परफॉर्म कर सबको चौंका दिया। यह टेनेसी (Tennessee) के ओक रिज नेशनल लेबोरेटरी में मौजूद है। इस सुपर कंप्यूटर की मदद से जलवायु विज्ञान से लेकर स्वास्थ्य और पार्टिकल फिजिक्स तक हर क्षेत्र में तरक्की मिलने की उम्मीद है।

3. किसी क्षेत्र में पाई गई सबसे ज्यादा मछलियां

अंटार्कटिका में अब तक की सबसे बड़ी मछलियों की कॉलोनी पाई गई है। यह कॉलोनी अमेरिका के फ्लोरिडा राज्य के एक शहर ऑरलैंडो जितनी बड़ी बताई जा रही है। जोना की आइसफिश (Jonah's icefish) के लगभग 60 मिलियन घोंसले समुद्र तल के कम से कम 240 वर्ग किलोमीटर में फैले हुए हैं। अच्छी मात्रा में भोजन और क्षेत्र में गर्म पानी के कारण यह मछलियां भारी संख्या में यहां अपना डेरा जमाए हुए हैं।

भारत को जानें

1. बृहदेश्वर मंदिर, तंजौर, तमिलनाडु

इस मंदिर को 1002 ईस्वी में राजाराज चोल द्वारा बनवाया गया था। यह मंदिर शिव को समर्पित है और द्रविड़ियन कला का बेहतरीन उदाहरण पेश करता है। बृहदेश्वर मंदिर, मंदिर निर्माण की सर्वश्रेष्ठ परंपरा का अनूठा संगम है। जिसमें वास्तुकला, चित्रकला और अन्य संबद्ध कलाएं सम्मिलित हैं। यह कई परस्पर संबंधित संरचनाओं से बना है, जैसे कि नंदी मंडप, एक स्तंभित पोर्टिको और एक बड़ा हॉल (सभा मंडप)। इसके शीर्ष की ऊंचाई 66 मीटर है।

2. कैलाशनाथ मंदिर, एलोरा

यह मंदिर दुष्टों का संहार करने वाले भगवान शिव को समर्पित है। यह मंदिर महानता के प्रति एक श्रद्धांजलि है। इसके बावजूद हमारी शैक्षिक प्रणाली ने इतिहास के पाठ्यक्रम में इसे उचित स्थान नहीं दिया। यह अपने आस-पास की संरचनाओं के साथ सही अनुपात और संरेखण (Alignment) में तराशा गया था। जिसके सभी खंबे, फ्लाई ब्रिज, पत्थर के मेहराब, मूर्तियां और इमारतें पत्थर के एक ही टुकड़े से बने हैं।

3. चेन्नाकेशव मंदिर, कर्नाटक

यगाची नदी के तट पर स्थित, यह मंदिर होयसल काल की शुरुआती सर्वोत्तम कृति है। यह विजयनगर के शासकों द्वारा चोलों पर उनकी विजय को दर्शाने के लिए बनाया गया था। यह मंदिर पूरी तरह से विष्णु को समर्पित है। इस मंदिर में विष्णु के अधिकांश लाक्षणिक नक्काशी के पहलुओं को चित्रित किया गया है और यहां विशेष रूप से भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी को एक साथ स्थापित किया गया है।

Scanned with CamScanner

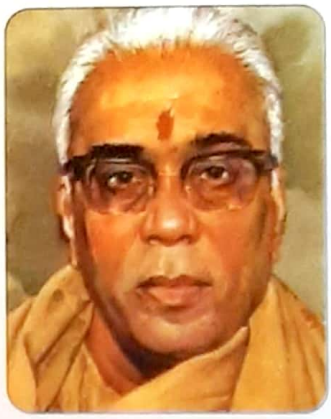

संघ नींव में विसर्जित पुष्प

श्री बाला साहब देवरस का जन्म 11 दिसम्बर 1915 को नागपुर में हुआ था। उनके पिता सरकारी कर्मचारी थे और नागपुर इतवारी में आपका निवास था। यहीं देवरस परिवार के बच्चे व्यायामशाला जाते थे 1925 में संघ की शाखा प्रारम्भ हुई और कुछ ही दिनों बाद बालासाहेब ने शाखा जाना प्रारम्भ कर दिया।

स्थायी रूप से उनका परिवार मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले के आमगांव के निकटवर्ती ग्राम कारंजा का था। उनकी सम्पूर्ण शिक्षा नागपुर में ही हुई। न्यू इंगलिश स्कूल मे उनकी प्रारम्भिक शिक्षा हुई। संस्कृत और दर्शनशास्त्र विषय लेकर मौरिस कालेज से बालासाहेब ने 1935 में बीए किया। दो वर्ष बाद उन्होंने विधि (लॉ) की परीक्षा उत्तीर्ण की। विधि स्नातक बनने के बाद बालासाहेब ने दो वर्ष तक 'अनाथ विद्यार्थी बस्ती गृह' मे अध्यापन कार्य किया। इसके बाद उन्हें नागपुर मे नगर कार्यवाह का दायित्व सौंपा गया। 1965 में उन्हें सरकार्यवाह का दायित्व सौंपा गया जो 6 जून 1973 तक उनके पास रहा।

श्रीगुरु जी के स्वर्गवास के बाद 6 जून 1973 को सरसंघचालक के दायित्व को ग्रहण किया। उनके कार्यकाल में संघ कार्य को नई दिशा मिली। उन्होंने सेवाकार्य पर बल दिया परिणाम स्वरूप उत्तर पूर्वांचल सहित देश के वनवासी क्षेत्रों में हजारों की संख्या में सेवाकार्य आरम्भ हुए।

सन् 1975 में भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी ने आपातकाल की घोषणा कर संघ पर प्रतिबन्ध लगा दिया। संघ के हजारों स्वयंसेवकों को मीसा तथा डी आई आर जैसे काले कानून के अन्तर्गत जेलों में डाल दिया गया और यातनाऐं दी गई। परमपूज्यनीय बाला साहब की प्रेरण एवं सफल मार्गदर्शन में विशाल सत्याग्रह हुआ और 1977 में आपातकाल समाप्त होकर संघ से प्रतिबन्ध हटा।

स्वास्थ्य कारणों से जीवन काल में ही सन् 1994 में ही सरसंघचालक का दायित्व उन्होंने प्रो. राजेन्द्र प्रसाद उपाख्य रज्जू भइया को सौंप दिया। 17 जून 1996 को उनका स्वर्गवास हो गया।

गणतंत्र पर्व पर अनुशासित उल्लास के साथ बढ़ते कदम ....!

Scanned with CamScanner

गणित मेला

परमेश्वरी देवी धानुका सरस्वती विद्या मंदिर में दिनांक 22 दिसम्बर 2023 को महान गणितज्ञ श्री निवास रामानुजम की जयंती हर्षोल्लास पूर्वक मनाई गई। विद्यालय के गणित प्रवक्ता राहुल शर्मा ने इस अवसर पर श्री रामानुजम के कृतित्व पर चर्चा करते हुए बताया कि श्री रामानुजम ने निर्धन परिवार में जन्म एवं सीमित संसाधनों की उपलब्धता के बावजूद गणित के क्षेत्र में विश्व स्तर की उपलब्धियां प्राप्त कर के यह दर्शा दिया कि मनुष्य की प्रतिभा अवसरों की मोहताज नहीं होती है। यदि व्यक्ति अपने लक्ष्य पर समर्पित हो कर अपने प्रयासों को अभ्यास की चरम सीमा पर ले जाए तो संसार की हर उपलब्धि उसके चरणों तले आ जाती है। इस अवसर पर मोहित गुप्ता और योगेश अग्रवाल के संयुक्त प्रयासों से निर्मित एक डाक्यूमेंट्री का भी प्रदर्शन किया गया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य श्याम प्रकाश पांडेय ने अपने उद्बोधन में श्री रामानुजम के जीवन को आदर्श बना कर हृदय में वैज्ञानिक सोच के विस्तार की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि मानव के आत्मिक विकास में विचारों की दृढ़ता और संकल्प की शक्ति का बड़ा महत्व है और श्री रामानुजम के जीवन से बड़ी इसकी दूसरी मिसाल नहीं मिलती।

उपप्रधानाचार्य ओम प्रकाश शर्मा ने बताया कि श्री रामानुजम द्वारा विकसित स्थापित सैकड़ों प्रमेयों पर आज भी शोधकार्य जारी हैं और उनकी गणितीय खोजें गणित विशेषज्ञों को समस्याओं के निस्तारण में मार्ग दर्शक का कार्य कर रही हैं। गणित विभाग के आचार्य मनोज वार्ष्णेय, सुरभि चरण सोनी, सर्वेश कुमार शर्मा, सत्यप्रकाश शर्मा, मोहित गुप्ता, कुलदीप मित्रा, सोनू सारस्वत आदि का सहयोग सराहनीय रहा। इस अवसर पर गणित विभाग के द्वारा शताधिक गणितीय मॉडल प्रदर्शित किये गये।

आर्ट मेला

दिनांक 8.12.23 को वृन्दावन की सामाजिक संस्था प्रयास द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी एक आर्ट मेला लगाया। जिसमें विद्यालय के कक्षा 6 से 8 तक के छात्रों ने भाग लिया। विद्यालय अध्यापक मोहित गुप्ता जी ने बताया कि यह आर्ट मेला अन्य मेलों की तुलना में वृन्दावन का सबसे शानदार मेला था जिसकी छटा देखने वाली थी। पूरा माहौल रंग-बिरंगा हो गया था। सभी छात्र बड़े ही उत्साह से अपनी अपनी आर्ट बना रहे थे जिसका विषय स्वच्छ भारत-श्रेष्ठ भारत था। साफ-सफाई को ध्यान मे रखकर छात्रों ने अपनी भावनाओं को चित्र के माध्यम से आर्ट शीट पर प्रदर्शित किया था। संस्था द्वारा सभी छात्रों को मैडल और सर्टिफिकेट भी प्राप्त हुए। इसमें वृन्दावन के 26 विद्यालय के लगभग 800 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया था। इसमें अपने विद्यालय के छात्रों ने श्रीमान अरूण दीक्षित जी के निर्देशन में संगीत घोष का भी प्रदर्शन किया। वहां आये सभी गणमान्यों ने इस प्रदर्शन की सराहना भी की।

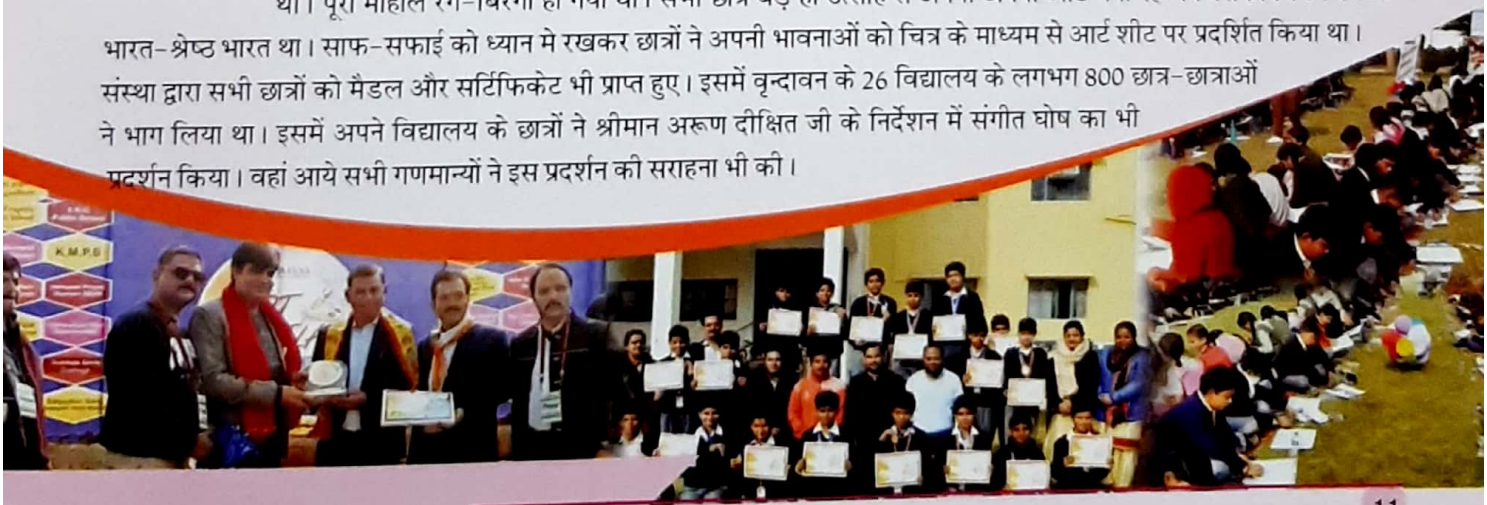

Scanned with CamScanner

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता (क्र.-3)

1. भारतीय निर्वाचन आयोग (ECI) ने 26 अक्टूबर, 2023 को किस अभिनेता को मतदाता जागरूकता और शिक्षा के लिए अपना 'राष्ट्रीय आइकन' नियुक्त किया ?
2. भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने गगनयान के पहले टेस्ट व्हीकल एबॉर्ट मिशन-1 (टीवी-डी1) को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से सफलतापूर्वक कब लॉन्च किया ?
3. पंजाब सरकार ने राज्य को पूरी तरह से नशा मुक्त बनाने के लिए कौन-सी पहल शुरू की है ?
4. किस ओलंपिक खेल में बेसबॉल-सॉफ्टबॉल, क्रिकेट, फ्लैग फुटबॉल, लैक्रोस और स्क्वैश को शामिल किया जाएगा ?
5. भारत-नेपाल के बीच कौन-सा संयुक्त सैन्याभ्यास पिथौरागढ़ में 24 नवंबर, 2023 से आरंभ हुआ, जो 7 दिसंबर 2023 तक आयोजित किया गया ?
6. वैज्ञानिकों ने अरुणाचल प्रदेश में 'म्यूजिक फ्रॉग' की एक नई प्रजाति की खोज की है। यह मेढ़क किस वंश से संबंधित है ?
7. 20 नवंबर, 2023 को दक्षिणपंथी नेता जेवियर माइली को किस देश का नया राष्ट्रपति चुना गया ?
8. यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग राइजिंग स्टार ऑफ द ईयर 2023 के रूप में किसे नामित किया गया ?
9. 10 दिसंबर, 2023 को फ्रांस के सेर्गी में किस तमिल कवि और दार्शनिक की प्रतिमा का अनावरण किया गया ?
10. 8 दिसंबर, 2023 को संसद में पैसे लेकर प्रश्न पूछने (cash for query) के मामले में किस सांसद की सदस्यता रद्द कर दी गई ?

पिछले अंक के उत्तर –

लक्ष्मण सेन, रामसेवक शर्मा, वी.एस. नायपाल, मिशेल बैश्लेट, द. कोरिया, हिमादास, कैगिसो रबाडा, स्टार शिप, लिज़ ट्रस, सुरेखा यादव

सही उत्तर देने वाले छात्र – रसिक राज शरण (12 घ), आलोक उपाध्याय (10ए1), हर्षुल गुप्ता (10 ए), आयुष शर्मा (7 ई), चिराग कुमार (7 ई), नवीन उपाध्याय (7 ई), आयुष भारद्वाज (7 सी), लाभांशु गौड (7 सी), जतिन सैनी (7 ई), अंशराज भारद्वाज (9 बी), नरेन्द्र सारस्वत (6 सी), दाऊदयाल शर्मा (10 ए1), अनूप (6सी)

गीता संदेश

4. नास्ति बुद्धिरयुक्तस्य न चायुक्तस्य भावना।
न चाभावयतः शांतिरशांतस्य कुतः सुखम्।।

अर्थ– योग रहित पुरुष में निश्चय करने की बुद्धि नहीं होती और उसके मन में भावना भी नहीं होती। ऐसे भावना रहित पुरुष को शांति नहीं मिलती और जिसे शांति नहीं, उसे सुख कहां से मिलेगा।

व्यक्ति के जीवन में महत्त्व – हर मनुष्य की इच्छा होती है कि उसे सुख प्राप्त हो, इसके लिए वह भटकता रहता है, लेकिन सुख का मूल तो उसके अपने मन में स्थित होता है। जिस मनुष्य का मन इंद्रियों यानी धन, वासना, आलस्य आदि में लिप्त है, उसके मन में भावना (आत्मज्ञान) नहीं होती और जिस मनुष्य के मन में भावना नहीं होती, उसे किसी भी प्रकार से शांति नहीं मिलती और जिसके मन में शांति न हो, उसे सुख कहां से प्राप्त होगा। अतः सुख प्राप्त करने के लिए मन पर नियंत्रण होना बहुत आवश्यक है।

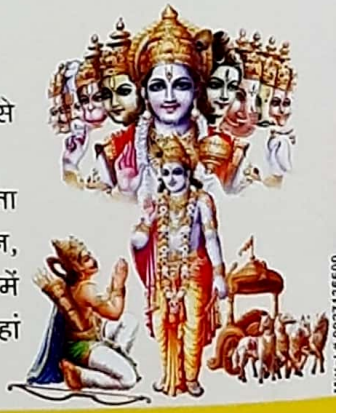

संरक्षक : श्री पद्मनाभ गोस्वामी
प्रधान सम्पादक : श्री श्याम प्रकाश पाण्डेय, प्रधानाचार्य
कार्यकारी सम्पादक : कौशल किशोर भट्ट
संयोजन समिति : मोहित गुप्ता, शैलेन्द्र गोयल
website : www.pddsvm.org || E-mail : pdd_svidyamandir@yahoo.com

Scanned with CamScanner